

दिनांक: 29.11.2023

समय : 01:00 पी.एम.

प्रदेश में तीन दिसंबर को चुनाव मतगणना के लिये 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के वास्ते 36 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। जयपुर, जोधपुर और नागौर में दो-दो जबकि बाकी सभी जिलों में एक एक मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। निर्वाचन विभाग मतगणना की सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतगणना दलों के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, उपजिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों, अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारियों और आईटी स्टाफ को आज ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे से सभी केंद्रों पर पोस्टल बैलेट और सुबह साढ़े आठ बजे से ईवीएम के माध्यम से मतगणना शुरू हो जाएगी। मतगणना स्थल और उसके आस-पास के क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतगणना स्थल पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है, ताकि किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं आए। श्री गुप्ता ने बताया कि मतगणना में पूरी निष्पक्षता बनी रहे इसके लिए निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई जा चुकी मॉड्यूलरी वैरीफिकेशन पद्धति को भी लागू किया जाएगा। इसमें संपूर्ण मतगणना के बाद प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों से लॉटरी से पांच-पांच वीवीपैट का चयन कर उसकी पर्चियों की गणना कर, ईवीएम से प्राप्त मतों से मिलान किया जाएगा। रिटर्निंग ऑफिसर और पर्यवेक्षकों की निगरानी और उम्मीदवार या उनके एजेंटों के सामने वीवीपैट मशीन से निकली पर्चियों की मतगणना और मिलान होगा।

प्रदेश में हुई मावठ से सर्दी का असर बढ़ गया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आस-पास और अधिकतम 20 से 25 डिग्री के बीच बना हुआ है। आज सबसे कम 10 दशमलव 4 डिग्री तापमान सिरोंही में दर्ज किया गया। सीकर के फतेहपुर में 11 दशमलव 5, चित्तौड़गढ़ में 11 दशमलव 9, हनुमानगढ़ के संगरिया में 12, सीकर में 12 दशमलव 5, जैसलमेर में 12 दशमलव 7, अजमेर में 13 दशमलव 5, जयपुर में 13 दशमलव 7, बीकानेर में 14 दशमलव 3 और जोधपुर में 15 दशमलव 2 डिग्री सैल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। आज सुबह राजधानी जयपुर सहित झालावाड़, बीकानेर, बाड़मेर, करौली, सर्वाईमाधोपुर, बारां, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर और भरतपुर में कोहरा छाया रहा। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। साथ ही जनजीवन पर असर पड़ा।

भारत और अमरीका आने वाले कुछ महीनों में पृथ्वी के अध्ययन के लिए संयुक्त माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट छोड़ेंगे। इस सेटेलाइट का नाम निसार होगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने नासा के प्रशासक बिल नेल्सवन के नेतृत्व में हुई उच्च स्तरीय शिष्टमंडल की बैठक के दौरान यह सूचना दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कल दो दिन की यात्रा पर संयुक्त अरब अमीरात में दुबई के लिए रवाना होंगे। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन घोषणा से जुड़े पक्षों का उच्चस्तरीय सम्मेलन कॉप-28, संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में हो रहा है। कॉप-28 जलवायु परिवर्तन की साझा चुनौती से निपटने की रणनीति और सामूहिक प्रयासों पर चर्चा का मंच है। ग्लासगो में आयोजित कॉप-26 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन की दिशा में भारत के अभूतपूर्व योगदान का उल्लेख करते हुए पांच विशिष्ट लक्ष्य – पंचामृत की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर पर्यावरण के लिए जीवन शैली मिशन की भी घोषणा की। कॉप-28 सम्मेलन में इस दिशा में भारत की सफलताओं को साझा करने का मंच उपलब्ध होगा। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए विश्व के कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

रेलवे ने अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए हैदराबाद और जयपुर तथा काचीगुडा और लालगढ के बीच चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया है।

.....